रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 14 नवम्बर, 2026

वर्ष 02 | अंक 269 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी सम्मानित

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार आज

नई दिल्ली। देश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सम्मानित करेंगी। इस समारोह में देश के उन खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, कड़ी मेहनत और समर्पण से खेल जगत में भारत का नाम रोशन किया है।



राष्ट्रीय खेल पुरस्कार देश के सर्वोच्च खेल सम्मानों में शामिल हैं। इन पुरस्कारों के माध्यम से विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रशिक्षकों के प्रयासों को भी पहचान दी जाती है। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार प्रमुख हैं। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार खिलाड़ियों को उनके असाधारण और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। वहीं, अर्जुन पुरस्कार लगातार बेहतर प्रदर्शन, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना का परिचय देने वाले खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। इसके अलावा द्रोणाचार्य पुरस्कार उन प्रशिक्षकों को दिया जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के लिए तैयार किया है। ध्यानचंद पुरस्कार खेलों के क्षेत्र में आजीवन योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के खातों में ट्रांसफर किए 1,831.77



भोपाल/ शिवपुरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 नवंबर को शिवपुरी जिले के पिछोर पहुंचे। उन्होंने यहां मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त के तहत प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र बहनों के बैंक खातों में 1,831 करोड़ 77 लाख से अधिक रुपये ट्रांसफर किए। साथ ही, उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर स्व-सहायता समूहों को 200 करोड़ के ऋण का भी अंतरण किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने लाड़ली बहनों का पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 221 करोड़ की लागत के 121 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमि-पूजन किया। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया।

अपराध पर शाह का सख्त संदेश

संगठित गिरोह और ड्रग्स तस्करी पर सीधी चोट, दिल्ली पुलिस को तेज कार्रवाई के निर्देश

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस को ऐसे गिरोहों के खिलाफ कठोर और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शाह ने स्पष्ट किया कि राजधानी में संगठित अपराध और ड्रग्स तस्करी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में अपराध पर नियंत्रण, तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने और अपराधियों के



खिलाफ कार्रवाई तेज करने पर जोर दिया गया। पुलिस को केवल छोटे तस्करों तक सीमित रहने के बजाय पूरे नेटवर्क, इसके संचालकों और वित्तीय स्रोतों तक पहुंचने की रणनीति पर काम करने के निर्देश दिए गए। गृह मंत्री ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में तकनीक और खुफिया तंत्र के बेहतर इस्तेमाल पर भी जोर दिया। दिल्ली में नशीले पदार्थों के बढ़ते कारोबार को रोकना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। सरकार का संदेश साफ है-अपराध का नेटवर्क जितना बड़ा होगा, कार्रवाई भी उतनी ही सख्त होगी।

जाकिर नाइक के संगठन पर फिर 5 साल का बैन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन पर लगा प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने 13 नवंबर को अधिसूचना जारी कर आईआरएफ को गैरकानूनी संगठन घोषित किया। यह कार्रवाईगैरकानूनीगतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत की गई है। मंत्रालय के मुताबिक, संगठन और उसके संस्थापक जाकिर नाइक पर धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्य और नफरत बढ़ाने वाले भाषणों तथा गतिविधियों के आरोप हैं।

राहुल की मोदी को खुली चुनौती

बोले-बहस हो जाए तो मोदी प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि

नई दिल्ली। अगर प्रधानमंत्री उनके साथ आमने-सामने बहस करें तो वह उन्हें कई मुद्दों पर घेर सकते हैं और बहस के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।



राहुल गांधी ने यह बयान राजनीतिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री से सीधी बहस की अपनी पुरानी मांग को दोहराते हुए दिया। उन्होंने सरकार की नीतियों और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा।

राहुल गांधी की चुनौती के बाद राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज होने की संभावना है। कांग्रेस इसे प्रधानमंत्री के सामने सीधे सवाल रखने का मुद्दा बता रही है, जबकि भाजपा की ओर से इस बयान पर पलटवार की उम्मीद है। अब सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी की इस चुनौती को स्वीकार करेंगे या राजनीतिक मंचों पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला ही आगे बढ़ेगा?

मेंहदवानी में विकासखंड स्तरीय शक्ति संचय कार्यक्रम संपन्न

शिवम प्रजापति

मेंहदवानी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मेंहदवानी द्वारा संवाद योजना अंतर्गत जनपद पंचायत मेंहदवानी में विकासखंड स्तरीय शक्ति संचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय कल्याण केंद्र बरगांव से श्याम भाईसाहब, जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान, महिला एवं बाल विकास विभाग से दसोदा भलावी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। इस दौरान प्रस्फुटन समितियों की समीक्षा की गई तथा स्वास्थ्य शिविर, स्वामित्व योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल आशीर्वाद योजना एवं मातृ वंदना योजना की जानकारी दी गई। साथ ही समितियों को बेहतर कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक डॉ. नीलेश्वरी वैश्य, मेंटर दीपेंद्र साहू, निर्मल मरकाम, चिरौंजी बसल, पप्पी साहू सहित प्रस्फुटन समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। मंच संचालन कृष्ण कुमार साहू ने किया तथा आभार जितेंद्र परते ने व्यक्त किया।



सवालों के घेरे में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली

महीनों बीतने और NCPCR के रिमांड लेटर के बावजूद CMHO कार्यालय स्तर पर जांच ठंडे बस्ते में; डेढ़ साल की मासूम दिविशा न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

इंदौरः चिकित्सकीय लापरवाही का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जो स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलकर रख देता है। इंदौर के शासकीय एम.टी. एच. हॉस्पिटल की गंभीर लापरवाही के चलते डेढ़ साल की मासूम बच्ची दिविशा (शारलीन मांगरोलिया) जन्म के समय से ही HIE Grade-2 (ब्रेन डैमेज) जैसी भयानक स्थिति से जूझ रही है। हैरानी की बात यह है कि तमाम पुख्ता मेडिकल सबूतों और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा स्पष्ट रिमांड लेटर व निर्देश जारी किए जाने के बावजूद, CMHO कार्यालय और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जांच में जानबूझकर ढिलाई बरती जा रही है और फाइल को दबाकर रखा गया है।

एनसीपीसीआर के आदेशों की हो रही है खुली अनदेखी

परिवार ने इस अमानवीय लापरवाही के खिलाफ NCPCR में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी (शिकायत आईडीः 100634)। आयोग की तरफ से स्पष्ट रिमांड लेटर और जांच के सख्त निर्देश मिलने के बावजूद स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होना यह साफ दर्शाता है कि अस्पताल के दोषियों को बचाने के लिए सिस्टम किस हद तक लीपापोती कर रहा है। जन्म के समय हर रिपोर्ट नॉर्मल होने के बावजूद आज एक मासूम बच्ची का जीवन बर्बाद करने वाले डॉक्टर और अधिकारी आखिर किसके संरक्षण में बेखौफ घूम रहे हैं?

सवालों के घेरे में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली

प्रशासन की इस लचर और संवेदनहीन कार्यप्रणाली से आहत होकर अब पीड़ित परिवार ने न्याय के लिए कानूनी लड़ाई को और तेज कर दिया है। एक तरफ मासूम बच्ची हर पल दर्द से तड़प रही है, तो दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी फाइलों पर कुण्डली मारकर बैठे हैं। परिवार और जागरूक नागरिकों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द CMHO कार्यालय स्तर पर अटकी जांच पूरी कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो इसे उच्च स्तर पर कानूनी और प्रशासनिक मंचों पर पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा।

इंदौर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

अवैध शराब की होम डिलीवरी करते दो आरोपी गिरफ्तार

दो दोपहिया वाहनों से 33.6 बल्क लीटर शराब जब्त, 1.94 लाख रुपये का मशरूका बरामद

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। शहर में अवैध शराब के विक्रय, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में 13 नवंबर को आबकारी विभाग की वृत्त पलासिया टीम ने अवैध रूप से शराब का परिवहन करते हुए दो आरोपियों को अलग-अलग क्षेत्रों से गिरफ्तार किया है।

कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशन में कंट्रोलर कमलेश सोलंकी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल और सहायक जिला आबकारी अधिकारी राघवेंद्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, आबकारी विभाग की टीम गश्त के दौरान पलासिया चौराहा स्थित महिला थाना के पास और इंद्रप्रस्थ टावर के पीछे सड़क पर पहुंची। यहां दो अलग-अलग दोपहिया वाहनों टीवीएस जुपिटर और होंडा एक्टिवा से अवैध रूप से शराब का परिवहन करते हुए अजय लिखरिया पिता मोहनलाल लिखरिया और सालिकराम जायसवाल



पिता बेचूराम जायसवाल को पकड़ा गया।

बताया गया कि आरोपी शराब की होम डिलीवरी के उद्देश्य से परिवहन कर रहे थे। शराब के परिवहन एवं उससे संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान दोनों दोपहिया वाहनों के साथ देशी मदिरा प्लेन, किंगफिशर बीयर और बडवाइजर मैग्नम बीयर सहित कुल 33.6 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। जब्त शराब और वाहनों सहित मशरूके का बाजार मूल्य 1 लाख 94 हजार 380 रुपये बताया गया है। पूरी कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी राघवेंद्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में की गई। इसमें उपनिरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया, मुख्य आरक्षक तरुण सिंह जाट, आरक्षक तुषार वर्मा एवं वाहन चालक का सराहनीय योगदान रहा। फिलहाल मामले में आगे की विवेचना जारी है।

नगरपालिका गेट के पास सरेराह महिला की दो पुरुषों ने की जमकर पिटाई, पार्षद तारा राठौर ने किया बीच-बचाव

शिवपुरी। शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए, जब नगरपालिका गेट के पास दिनदहाड़े दो पुरुषों ने एक महिला के साथ जमकर मारपीट कर दी। सार्वजनिक स्थान पर हुई इस घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि महिला के साथ हो रही मारपीट के दौरान पार्षद तारा राठौर ने बीच-बचाव करते हुए उसे बचाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नगरपालिका गेट के पास अचानक दो पुरुष महिला के साथ मारपीट करने लगे। घटनास्थल पर मौजूद लोगों को शुरुआत में समझ ही नहीं आया कि आखिर विवाद किस बात को लेकर हुआ है। सरेराह महिला के साथ हो रही मारपीट का दृश्य देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान पार्षद तारा राठौर ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराने और महिला को बचाने का प्रयास किया। घटना के बाद पीड़ित महिला कोतवाली पहुंची और पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत रखी। बताया जा रहा है कि शिकायत की सूचना मिलते ही चंद मिनटों में पुलिस नगरपालिका परिसर पहुंच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। हालांकि, अभी तक महिला के साथ मारपीट की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। यह भी जांच का विषय है कि आखिर किन परिस्थितियों में दो पुरुषों ने सार्वजनिक स्थान पर महिला के साथ मारपीट की और विवाद की शुरुआत कैसे हुई।

सरेराह महिला से मारपीट ने खड़े किए सवाल-शहर के व्यस्त इलाके में नगरपालिका गेट के पास हुई इस घटना ने महिला सुरक्षा और सार्वजनिक स्थानों पर कानून-व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर दिनदहाड़े दो पुरुषों की इतनी हिम्मत कैसे हुई कि वे सरेराह एक महिला के साथ मारपीट करने लगे? अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है और पीड़िता को कब न्याय मिलता है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियानः जर्जर भवन में संचालित आंगनबाड़ी को सुरक्षित कक्ष में किया स्थानांतरित

धर्मेन्द्र गुप्ता - विदिशा। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले में नागरिकों की सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज तहसील सिरोंज की ग्राम पंचायत सोना के ग्राम शाहपुर में जर्जर भवन में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से नजदीकी शासकीय विद्यालय के अतिरिक्त कक्ष में स्थानांतरित कराया गया।यह कार्यवाही नोडल अधिकारियों द्वारा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जर्जर भवन में आंगनबाड़ी संचालन छोटे बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं था। अतः किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने एवं बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्र को वैकल्पिक सुरक्षित स्थान पर संचालित कराया गया, इसके लिए पूर्व निरीक्षण में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को आवश्यक प्रयास हेतु निर्देशित किया गया था। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत की गई यह पहल बच्चों की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय एवं जनहित में की गई प्रभावी कार्यवाही का उदाहरण है।

रणजीत टाइम्स

पिछोर को जिला बनाने की मांग पर मुख्यमंत्री का बड़ा संकेत

2027 में परिसीमन आयोग को भेजेंगे प्रस्ताव

लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त के रूप में 1.24 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में पहुंचे 1,831 करोड़ रुपये; शिवपुरी को 221 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी/पिछोर। शिवपुरी जिले के पिछोर से शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की। इस दौरान कुल 1 हजार 831 करोड़ 77 लाख रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में पहुंचाई गई। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना-शिवपुरी सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी विशेष रूप से शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शिवपुरी जिले को 221 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास



कार्यों की सौगात दी। इन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया।

पिछोर को जिला बनाने की मांग पर 2027 का दिया संकेत

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान पिछोर की जनता की सबसे प्रमुख मांग पिछोर को जिला बनाने की रही। कार्यक्रम में लोगों की निगाहें मुख्यमंत्री की घोषणा पर टिकी थीं। जिला बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2027 में परिसीमन आयोग के समक्ष इस संबंध में रिकमंडेशन करने की बात कही। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद पिछोर को जिला बनाने की मांग एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है। हालांकि जिला गठन को लेकर अंतिम निर्णय और आधिकारिक घोषणा का इंतजार रहेगा।

मोतीसागर तालाब का किया भ्रमण

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर 1 बजकर 20 मिनट पर पिछोर पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले मोतीसागर तालाब का भ्रमण किया। इसके बाद छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में शामिल होकर लाड़ली बहना योजना की किस्त अंतरित की।

स्वसहायता समूहों को भी मिली आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों को भी वन क्लिक के माध्यम से नगद साख सीमा की राशि जारी की। सरकार की इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना है। कुल मिलाकर पिछोर का यह कार्यक्रम महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के साथ शिवपुरी जिले के विकास और पिछोर को जिला बनाने की मांग के लिहाज से भी महत्वपूर्ण रहा।

अब क्षेत्र की जनता की निगाहें वर्ष 2027 में परिसीमन आयोग को भेजे जाने वाले प्रस्ताव और पिछोर के जिला बनने की संभावनाओं पर टिकी हैं।

मंडी की 59 एकड़ जमीन पर नगर निगम की नजर!

निजी कंपनी को जगह देने की तैयारी का आरोप

खुशबू श्रीवास्तव

पार्किंग के लिए जगह नहीं, निजी कंपनी के लिए जमीन कैसे? किसानों ने कम्पोस्ट प्लांट और निर्माण पर उठाए सवाल, आंदोलन की चेतावनी

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर सब्जी मंडी की करीब 59 एकड़ जमीन के उपयोग को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। मंडी की जमीन किसानों की सुविधाओं और मंडी संचालन के लिए निर्धारित होने के बावजूद इसके उपयोग को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। अब मंडी परिसर में कोल्ड स्टोरेज के पास स्थित करीब 1600 वर्ग मीटर जमीन पर बने कम्पोस्ट प्लांट और वहां किए जा रहे निर्माण को लेकर किसानों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। किसानों का आरोप है कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर निगम को वर्मी एवं सिटी कम्पोस्ट प्लांट स्थापित करने के लिए अस्थायी रूप से निःशुल्क दी गई जमीन का उपयोग अब दूसरे उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। किसानों का कहना है कि यह जमीन निजी कंपनी के संचालन के लिए उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है।

अस्थायी अनुमति पर पक्के निर्माण का आरोप



जानकारी के अनुसार, मंडी परिसर में करीब 1600 वर्ग मीटर जमीन नगर निगम को कम्पोस्ट प्लांट स्थापित करने के लिए अस्थायी रूप से दी गई थी। किसानों की शिकायत है कि 23 सितंबर 2026 को किए गए निरीक्षण के दौरान मौके पर बिना अनुमति पक्का निर्माण किए जाने और जमीन को दूसरी कंपनी के संचालन के लिए उपलब्ध कराने से संबंधित स्थिति सामने आई। इसे लेकर किसानों ने आपत्ति दर्ज कराई है और जमीन आवंटन तथा निर्माण की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

मंडी में पार्किंग की समस्या, फिर जमीन का उपयोग किसके लिए?

किसानों का कहना है कि मंडी में रोजाना बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी और ग्राहक पहुंचते हैं, लेकिन पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से सभी को परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसे में मंडी की जमीन का उपयोग किसानों की सुविधाओं के बजाय किसी निजी कंपनी के लिए किए जाने की तैयारी समझ से परे है। किसानों ने मांग की है कि 1600 वर्ग मीटर जमीन पर बने कम्पोस्ट प्लांट और अन्य संरचनाओं को हटाकर जमीन खाली कराई जाए तथा इसका उपयोग पार्किंग और किसानों की सुविधाओं के लिए किया जाए।

मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायतों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई और जमीन के उपयोग को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई, तो वे नगर निगम के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब सवाल यह है कि मंडी की जमीन के मूल उद्देश्य को प्राथमिकता दी जाएगी या निजी कंपनी के संचालन को? किसानों को प्रशासन के जवाब और कार्रवाई का इंतजार

कोरोना वैक्सीन ट्रायल में स्वयंसेवक बने विवेक जैन का निधन, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़



राजस्थान, अलवर। कोरोना महामारी के कठिन दौर में वैक्सीन के मानव परीक्षण के लिए स्वेच्छा से आगे आने वाले समाजसेवी एवं अधिवक्ता विवेक जैन का निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, विवेक जैन लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उपचार के दौरान उनकी आंतों के दो ऑपरेशन भी हुए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन से पत्नी और तीन बच्चों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

महत्वपूर्णः विवेक जैन की मृत्यु का कोरोना वैक्सीन या उसके ट्रायल से कोई प्रमाणित संबंध सामने नहीं आया है।

रणजीत टाइम्स का सवाल-जिस व्यक्ति ने महामारी के कठिन समय में मानवता के लिए आगे आने का साहस दिखाया, क्या आज उसके परिवार की मदद के लिए सरकार और समाज को आगे नहीं आना चाहिए?

दैनिक रणजीत टाइम्स
परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मोबाइल और डिजिटल जीवन के बीच शांति कैसे पायें-जानें सहज योग से

आज के दौर में स्मार्टफोन और डिजिटल जीवन हमारी जरूरत बन चुके हैं अब मोबाइल सिर्फ बात करने का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे डिजिटल जीवन का केंद्र बन चुका है। बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको हर छोटे मोटे कार्य के लिए मोबाइल का सहारा लेना पड़ता है।

समस्या ये है कि इस जरुरत को पूरा करते हुये जरा सी भी थकान होने पर हमें थोड़े एंटरटेनमेंट का मन होता है और हम फेस बुक, इंस्टाग्राम या यू-ट्यूब खोल लेते है। और, यहीं से समस्या शुरू होती है क्योंकि बड़ी सहजता से इस एंटरटेनमेंट की हमें लत लग जाती है। इनका अत्यधिक उपयोग हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालने लगता है, हम अपने वास्तविक कार्य की जगह एंटरटेनमेंट के लिए लालायित होने लगते हैं।

साथ ही, कई घंटे लगातार स्क्रीन देखने से मस्तिष्क को नई जानकारियां प्रोसेस करनी पड़ती हैं, जिससे मानसिक थकान और तनाव बढ़ता है। फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट दिमाग की नसों को थका देती है और मेलाटोनिन हार्मोन



को प्रभावित करती है, जिससे अनिद्रा और सिरदर्द जैसी समस्याएं होती हैं। लेकिन, हमें अपने दैनंदिन कार्य में मोबाइल और लैपटॉप की उपयोगिता से घबराना नहीं है बल्कि अपने दैनंदिन कार्य में मोबाइल या लैपटॉप के उपयोग पर नियंत्रण करना सीखना है जिससे हम अपने व्यवसायिक और व्यक्तिगत, पारिवारिक जीवन शैली को सुचारू रुप से चला सके।

सहज योग अभ्यास हमारे शारीरिक और मानसिक तनाव को आसानी से कम करने में सहायक बनते हैं क्योंकि सहज योग सिर्फ एक योग नहीं बल्कि आध्यात्मिक विज्ञान है। दरअसल हमारे सभी भावनात्मक और शारीरिक गतिविधियों का संबंध हमारे सुक्ष्म शरीर में स्थित तीन नाड़ियों और सात चक्रों से है। जब हम सहज योग ध्यान पद्धति से जुड़ते हैं तब हमारे आध्यात्मिक उत्थान का मार्ग खुल जाता है। नाड़ियों के संतुलन से हमारे विचारों में बदलाव आता है और हमें सही गलत का आभास होने लगता है, और यही हमें अनावश्यक एंटरटेनमेंट की चाह से दूर करता है।

जैसे-जैसे ध्यान में गहरे उतरने लगते हैं हमें निरंतर बढ़ती आंतरिक शांति व आनंद का अनुभव होता है जिससे हमारी आत्मा की हमें अनुभूति होने लगती है, और इसी की अति उन्नत अवस्था में हमें अपनी आत्मा का परमात्मा के साथ पूर्णतया एकाकार हो जाने का अनुभव होने लगता है। ध्यान का यही उद्देश्य है- परम आनंदमय चेतना की उत्कृष्ट अवस्था, आनंदमय दिव्य तादात्म्य जिसे समाधि कहते हैं। अपने शारीरिक, मानसिक और आत्मिक उत्थान हेतु व मोबाइल और डिजिटल जीवन के बीच स्वयं को सुरक्षित रखने हेतु व अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।



बचपन की मुस्कान, मासूमियत और सपने ही जीवन की सबसे अनमोल खुशियाँ हैं।

बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

बाल दिवस पर कविता

बचपन फिर... लौट आए

वो कागज़ की नाव, वो बारिश का पानी,
वो बचपन की दुनिया, वो प्यारी कहानी।
न दौलत की चाहत, न शोहरत का ख्वाब, बस
छोटी-सी खुशियों में मिलता था जवाब।
वो साइकिल चलाना, वो गिरकर संभलना,
वो माँ की पुकार पर घर को निकलना।
न मोबाइल की दुनिया, न दिखावे का शोर, बस
दोस्तों की मस्ती और खुशियों का दौर।
आज बच्चे भी बचपन से दूर हो रहे हैं,
किताबों के बोझ में सपने खो रहे हैं।
मत छीनो उनसे वो हँसता हुआ बचपन,
उन्हीं की मुस्कानों से महकेगा ये जीवन।
बच्चों को सिर्फ़ बड़ा मत बनाइए,
उन्हें बचपन भी जीने दीजिए।
क्योंकि बचपन दोबारा नहीं आता,
बस यादों में रह जाता है।
बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!
कवि गोपाल गावंडे

विदिशा जिले की 2.71 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को नवंबर माह की राशि अंतरित

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने आज शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से नवंबर माह की आर्थिक सहायता राशि अंतरित की।

इससे विदिशा जिले की कुल 2,71,144 पात्र लाड़ली बहनें लाभान्वित हुईं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार जिले में जनपद पंचायतों के अंतर्गत 2,16,620 तथा नगरीय



निकायों के अंतर्गत 54,524 हितग्राही महिलाएं शामिल हैं। सभी पात्र हितग्राहियों के स्वीकृति आदेश एवं डिजिटल भुगतान प्रक्रिया पूर्ण कर भुगतान आदेश बैंकों को प्रेषित किए जा चुके थे। कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के लिए जिले में वेबकास्ट की समुचित व्यवस्था भी की गई।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला अकबरपुर का किया निरीक्षण

धर्मेन्द्र गुप्ता

विद्यार्थियों से किया संवाद और शैक्षणिक गुणवत्ता परखी विदिशा। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आज कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सिरोंज तहसील के ग्राम अकबरपुर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी एवं वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव भी उनके साथ उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री



गुप्ता ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कक्षा में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों से सवाल-जवाब कर उनकी शैक्षणिक समझ एवं सीखने के स्तर को परखा। इस दौरान शिक्षक श्री शिवलाल अहिरवार द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाए जा रहे पाठ का अवलोकन करते हुए कलेक्टर ने कक्षा में बैठकर शिक्षण कार्य को देखा और सुना। कलेक्टर ने विद्यार्थियों मोहन एवं वैष्णवी से हिंदी विषय के पाठ से संबंधित प्रश्न पूछे तथा स्कूल के बोर्ड पर प्रश्नों के उत्तर लिखवाकर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता का आकलन किया।





टीवी अभिनेत्रियों ने महाकालेश्वर की भस्म आरती में लिए दर्शन



उज्जैन। प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह, वनप्रीत कौर बग्गा (सोनिया अयोध्या), जिज्ञासा सिंह और मोनिका खन्ना ने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की प्रात:कालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिए।

मंदिर विकास की बड़ी योजना में प्रथम पूज्य को जगह नहीं, समिति ने उठाए सवाल

1124 करोड़ की योजना, चिंतामण गणेश बाहर!

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

उज्जैन। महाकाल की नगरी में मंदिरों के विकास के लिए 1124 करोड़ रुपये की बड़ी योजना तैयार है, लेकिन इसी योजना में शहर के प्रमुख चिंतामण गणेश मंदिर को जगह नहीं मिलने से सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रथम पूज्य गणेश के प्राचीन मंदिर की अनदेखी से क्षेत्रवासियों और मंदिर विकास समिति में नाराजगी है।

समिति का कहना है कि चिंतामण गणेश मंदिर उज्जैन की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में करोड़ों रुपये की मंदिर विकास योजना में इसका शामिल नहीं होना समझ से परे है। क्षेत्रवासियों ने योजना की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए हैं। अब समिति ने इस मुद्दे को लेकर मोर्चा खोल दिया है। मांग उठ रही है कि योजना की समीक्षा कर चिंतामण गणेश मंदिर को भी विकास कार्यों में शामिल किया जाए।



सवाल सीधा है

जब मंदिरों के विकास पर 1124 करोड़ खर्च होने हैं, तो प्रथम पूज्य के मंदिर की बारी आखिर क्यों नहीं आई?

कार्तिक-अगहन में पांच बार नगर भ्रमण पर निकलेंगे बाबा महाकाल, 7 दिसंबर को होगी राजसी सवारी

22 नवंबर की रात 11 बजे निकलेगी हरिहर मिलन सवारी, अगले दिन भी नगर भ्रमण करेंगे भगवान; लगातार दो दिन श्रद्धालुओं को मिलेगा बाबा के दर्शन का सौभाग्य

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com



उज्जैन। भगवान श्री महाकालेश्वर की भक्ति और आस्था से सराबोर उज्जैन नगरी में कार्तिक एवं अगहन (मार्गशीर्ष) माह के दौरान परंपरागत सवारियों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बाबा महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में रजत पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे और मार्ग में खड़े श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान करेंगे। दोनों माह में निकलने वाली सवारियों को लेकर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार सवारियों का क्रम भी खास रहने वाला है, क्योंकि 22 नवंबर की रात हरिहर मिलन की सवारी निकलेगी और अगले ही दिन 23 नवंबर को कार्तिक माह की दूसरी सवारी नगर भ्रमण पर निकलेगी। यानी श्रद्धालुओं को लगातार दो दिन बाबा महाकाल के नगर भ्रमण के दर्शन का अवसर मिलेगा।

16 नवंबर से शुरू होगा सवारियों का सिलसिला- मंदिर की परंपरा के अनुसार कार्तिक एवं अगहन माह में भगवान महाकालेश्वर की परंपरागत सवारियां



निकाली जाएंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहली सवारी सोमवार, 16 नवंबर को निकलेगी। इसके बाद 23 नवंबर को दूसरी और 30 नवंबर को तीसरी सवारी नगर भ्रमण करेगी। वहीं 7 दिसंबर सोमवार को चौथी एवं राजसी सवारी निकाली जाएगी। राजसी सवारी को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहने की संभावना है।

22 नवंबर की रात 11 बजे होगा हरिहर मिलन- इस बार सवारी कार्यक्रम का सबसे खास आकर्षण 22 नवंबर को होने वाला हरिहर मिलन रहेगा। परंपरानुसार रविवार रात 11 बजे भगवान श्री महाकालेश्वर की हरिहर मिलन सवारी निकाली जाएगी। इस अवसर पर बाबा महाकाल मनमहेश स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। हरिहर मिलन की यह धार्मिक परंपरा भगवान शिव और भगवान विष्णु के मिलन का प्रतीक मानी जाती है। इसके अगले दिन सोमवार, 23 नवंबर को कार्तिक माह की दूसरी सवारी निकलेगी। इस तरह रविवार की मध्यरात्रि से लेकर सोमवार तक धर्म और आस्था का विशेष वातावरण रहेगा।

लगातार दो दिन सवारियों को लेकर विशेष इंतजाम- 22 और 23 नवंबर को लगातार दो दिन सवारियां निकलने के मद्देनजर मंदिर प्रबंध समिति और प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष व्यवस्थाएं जुटाने में लगे हैं। सवारी मार्ग पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सुगम दर्शन को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके तहत मजिस्ट्रेट ड्यूटी, प्रचार-प्रसार वाहन, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, महाकाल ध्वज, चिकित्सा दल और रजत ढोल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मंदिर प्रबंध समिति का प्रयास है कि सवारी के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे व्यवस्थित तरीके से बाबा महाकाल के दर्शन कर सकें। समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन करें और सवारी के सुचारू संचालन में प्रशासन का सहयोग करें।

सवारियों का निर्धारित कार्यक्रम
प्रथम सवारी : सोमवार, 16 नवंबर 2026
हरिहर मिलन सवारी : रविवार, 22 नवंबर 2026, रात्रि 11 बजे
द्वितीय सवारी : सोमवार, 23 नवंबर 2026
तृतीय सवारी : सोमवार, 30 नवंबर 2026
चतुर्थ सवारी (राजसी सवारी) : सोमवार, 7 दिसंबर 2026

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने महाकालेश्वर की भस्म आरती में लिए दर्शन



उज्जैन। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी सुरेश रैना ने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिए। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने सुरेश रैना का स्वागत और सत्कार किया।

क्रिकेटर उमेश यादव ने महाकालेश्वर की भस्म आरती में लिए दर्शन

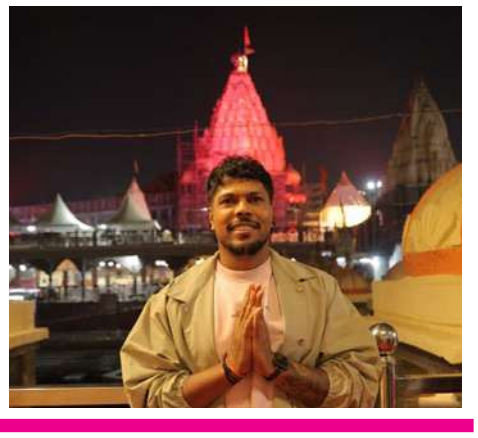

उज्जैन। प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी उमेश यादव ने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की प्रात:कालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिए।





विधानसभा क्षेत्र एक में लगा मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर

नागरिकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

इंदौर। मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल पर शुरू हुए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के तहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-एक में जिंसी हाट बाजार स्थित जोन कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिया। साथ ही लंबित आवेदनों और शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार और रिंकेश वैश्य सहित पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, सुदर्शन गुप्ता, महापौर परिषद के सदस्य निरंजन सिंह चौहान, पार्षदगण और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शैक्षणिक संस्थाओं का निरीक्षण, विद्यार्थियों से संवाद

शिविर के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और सुभाष नगर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों के भविष्य के लक्ष्य, रुचि और कैरियर संबंधी आकांक्षाओं पर चर्चा की गई। शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। सुभाष नगर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की मांग पर विद्यालय में पर्याप्त साफ-सफाई, सुरक्षा और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उद्यमी संवाद में निवेश के माहौल पर चर्चा

अभियान के अंतर्गत उद्यमी संवाद का भी आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय उद्यमी कल्पेश मेहता, प्रयाग दवे, राजेन्द्र मित्तल और प्रतीक मांडलिक ने अपने अनुभव साझा किए। प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। उद्यमियों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक हितैषी योजनाओं और नीतियों के चलते निवेश के लिए बेहतर वातावरण बना है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ रहा है और उद्यमी नई-नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासकीय सेवाओं को अधिक सुलभ, सरल और नागरिक केंद्रित बनाना, आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण करना तथा शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इंदौर जिले में शिविर आयोजन का सिलसिला लगातार जारी है। प्रत्येक शुक्रवार को शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

सीवर लाइन में गंदा पानी और प्लास्टिक छोड़ने पर दो उद्योगों पर कार्रवाई, 30 हजार का जुर्माना

नगर निगम की टीम ने औद्योगिक क्षेत्र में ETP लाइन का किया निरीक्षण, आरके इंडस्ट्रीज पर 10 हजार और जे.डी. मैन्युफैक्चरिंग पर 20 हजार की चालानी कार्रवाई

इंदौर। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्ट के अनुचित निस्तारण और सीवर लाइनों में प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। बिना ट्रीटमेंट किए गंदा पानी और प्लास्टिक सहित अन्य अपशिष्ट सीधे सीवर लाइन में छोड़ने के मामले में निगम की टीम ने दो उद्योगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर नगर निगम द्वारा शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और सीवर व्यवस्था को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जोन क्रमांक 17 के वार्ड 18 एवं 19 स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में ETP लाइन का मुख्यालय और जोनल कार्यालय की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान

सामने आया कि कुछ औद्योगिक इकाइयां अपशिष्ट जल का उचित ट्रीटमेंट किए बिना ही उसे सीधे लाइन में छोड़ रही हैं। इतना ही नहीं, प्लास्टिक सहित अन्य ठोस अपशिष्ट भी सीवर लाइन में प्रवाहित किया जा रहा था। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई की। कार्रवाई के तहत आरके इंडस्ट्रीज पर 10 हजार रुपये और जे.डी. मैन्युफैक्चरिंग पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। दोनों उद्योगों पर कुल 30 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई।

नियमों की अनदेखी पर होगी सख्ती

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि औद्योगिक क्षेत्रों में ETP और सीवर लाइनों की निगरानी लगातार जारी रहेगी। अपशिष्ट जल का बिना ट्रीटमेंट निस्तारण करने अथवा प्लास्टिक और अन्य ठोस कचरा सीवर लाइन में डालने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम ने उद्योग संचालकों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप अपशिष्ट जल का ट्रीटमेंट करने के बाद ही उसका निस्तारण करें। साथ ही प्लास्टिक एवं अन्य ठोस अपशिष्ट का उचित तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि सीवर लाइन में अवरोध और पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति निर्मित न हो।

मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण में आएगी तेजी, समय सीमा तय

लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंसी तक 15 दिसंबर और जिंसी से नेमिनाथ चौराहे तक 31 दिसंबर तक पूरा होगा कैरेजवे का काम



इंदौर। शहर में मास्टर प्लान के तहत निर्माणाधीन सड़कों को लेकर नगर निगम ने काम में तेजी लाने की कवायद शुरू कर दी है। इसी क्रम में निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्धारित समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने लक्ष्मीबाई प्रतिमा चौराहे से जिंसी तक बन रहे कैरेजवे का कार्य 15 दिसंबर तक पूरा करने की समय सीमा तय की। वहीं जिंसी चौराहे से नेमिनाथ चौराहे तक कैरेजवे का निर्माण 31 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों मार्गों पर तय समय सीमा में काम पूरा कर यातायात शुरू कराया जाए, ताकि नागरिकों को आवागमन में राहत मिल सके।

एक सड़क का काम पूरा होते ही दूसरे हिस्से पर शुरू होगा निर्माण

नगर निगम की योजना के अनुसार लक्ष्मीबाई प्रतिमा से नेमिनाथ चौराहे तक कैरेजवे पर यातायात शुरू होने के बाद अगले चरण में कण्डीलपुरा से इंदौर वायर फैक्ट्री चौराहे तक मास्टर प्लान सड़क का निर्माण शुरू किया जाएगा। इस तरह चरणबद्ध तरीके से सड़क निर्माण को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था को प्रभावित किए बिना मास्टर प्लान की सड़कों का काम पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पीएस कुशवाहा, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूजीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

हेनरी के सामने टेके घूटने

पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।



विल यंग की शतकीय पारी

माउंट माउंगानुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निक केली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 4 रन बनाकर आउट हुए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

सर्दियों में बालों की खोई चमक लौटाएगा घर पर बना ये देसी तेल, आंवला-मेथी समेत इन 5 चीजों से करें तैयार

सर्दियों का मौसम आते ही हमारी त्वचा और बालों को खास देखभाल की जरूरत पड़ने लगती है। ठंडी हवाएं, वातावरण में नमी की कमी और गर्म पानी से बार-बार बाल धोने की आदत बालों की सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इस मौसम में अक्सर बाल रूखे, बेजान और उलझे हुए नजर आने लगते हैं। इतना ही नहीं, कई लोगों को बालों के टूटने, दोमुंहे होने और उनकी प्राकृतिक चमक कम होने की समस्या भी परेशान करने लगती है। ऐसे में बालों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए उनकी सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। अक्सर लोग सर्दियों में बालों की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए महंगे शैंपू, कंडीशनर और हेयर सीरम का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, बालों की देखभाल के लिए कुछ घरेलू उपाय भी अपनाए जा सकते हैं। खास बात यह है कि इसके लिए आपको बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। आपके किचन में मौजूद नारियल तेल, आंवला, मेथी दाना, करी पत्ता और कलौंजी जैसी चीजों की मदद से घर पर ही एक पौष्टिक हेयर ऑयल तैयार किया जा सकता है।

ये सभी चीजें पारंपरिक रूप से बालों की देखभाल में इस्तेमाल की जाती रही हैं। आइए जानते हैं कि सर्दियों में बालों को रूखेपन से बचाने के लिए यह देसी हेयर ऑयल कैसे बनाया जा सकता है और इसका इस्तेमाल किस तरह करना चाहिए।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हृद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा।

भोपाल के हॉकी मैदान को मिला एफआईएच कैटेगरी-1 सर्टिफिकेट

देश में हैदराबाद के बाद दूसरा शहर बना, मप्र में पहली बार इस श्रेणी का हॉकी मैदान



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के खेल इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ी है। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर के हॉकी मैदान को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने कैटेगरी-1 का प्रमाणपत्र दिया है।

इसके साथ ही भोपाल देश का हैदराबाद के बाद दूसरा शहर बन गया है, जहां इस श्रेणी का अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाला हॉकी मैदान उपलब्ध है। मध्यप्रदेश में यह पहला मैदान है, जिसे एफआईएच की कैटेगरी-1 मान्यता मिली है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ की ओर से 6 नवंबर 2026 को मैदान का परीक्षण किया गया था। इसमें मैदान को कैटेगरी-1 के निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया। इसके बाद महासंघ ने प्रमाणपत्र जारी किया, जो 6 नवंबर 2029 तक वैध रहेगा। भोपाल के इस मैदान की पहली बड़ी अंतर्राष्ट्रीय परीक्षा 19 नवंबर से शुरू होने वाली महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 में होगी।

19 नवंबर से अंतर्राष्ट्रीय टीमें इसी मैदान पर दिखाएंगी दम- भोपाल के इस मैदान की पहली बड़ी अंतर्राष्ट्रीय परीक्षा 19 नवंबर से शुरू होने वाली महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 में होगी। प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी।

ऐसे में एफआईएच से प्रमाणन मिलने के बाद भोपाल में होने वाले इस आयोजन का महत्व और बढ़ गया है। अब यह मैदान अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश में विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे न केवल बड़े अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए मध्यप्रदेश की दावेदारी मजबूत होगी, बल्कि प्रदेश के उभरते हॉकी खिलाड़ियों को भी विश्वस्तरीय सुविधाओं के बीच खेलने और अभ्यास करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इसके लिए खेल विभाग, निर्माण एजेंसी और परियोजना से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। एफआईएच यानी इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन हॉकी के अंतर्राष्ट्रीय नियमों और मैदानों के तकनीकी मानकों को निर्धारित करने वाली वैश्विक संस्था है।

एफआईएच कैटेगरी-1 क्या होती है?- एफआईएच यानी इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन हॉकी के अंतर्राष्ट्रीय नियमों और मैदानों के तकनीकी मानकों को निर्धारित करने वाली वैश्विक संस्था है। कैटेगरी-1 प्रमाणन उसके मैदानों के लिए निर्धारित उच्च स्तर की श्रेणी है। इसके तहत मैदान की सतह, एस्ट्रोटर्फ की गुणवत्ता, समतलता, गेंद की गति और उछाल, पानी की निकासी, खेल क्षेत्र के माप तथा अन्य तकनीकी और सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया जाता है।

इस श्रेणी का प्रमाणन बताता है कि मैदान निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी मानकों पर खरा उतरा है और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए उपयुक्त है। हालांकि, केवल प्रमाणपत्र मिलने से किसी टूर्नामेंट की मेजबानी स्वतः सुनिश्चित नहीं होती; प्रतियोगिता के आयोजन के लिए संबंधित आयोजक संस्था की अन्य शर्तें भी पूरी करनी होती हैं।

प्रदेश में बढ़ी ठंड, भोपाल-इंदौर पचमढ़ी से भी सर्द

20 शहरों में पारा 15 डिग्री से नीचे; कटनी का करौंदी सबसे ठंडा



भोपाल (नप्र)। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी साफ दिखने लगा है। प्रदेश में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और सुबह धुंध छाने लगी है। बीती रात राज्य के 20 शहरों में पारा 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे लुढ़क गया।

मौसम केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, कटनी का करौंदी 10.6 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी (12.6 डिग्री) से ज्यादा ठंड इंदौर (11.1 डिग्री) और भोपाल (12.2 डिग्री) में दर्ज की गई है।

बढ़ेगी ठिठुरन- मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के साथ-साथ 14-15 नवंबर को राजस्थान के बीकानेर संभाग में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश हो सकती है। इससे मध्य प्रदेश में उत्तरी हवाओं का असर बढ़ेगा और 5 दिनों में न्यूनतम तापमान 1 से 2 डिग्री तक और गिर सकता है।

बारिश से राहत- फिलहाल शुक्रवार को प्रदेश में कहीं भी आंधी या बारिश का अलर्ट नहीं है, जिससे मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि, नवंबर के तीसरे और चौथे सप्ताह में नया सिस्टम सक्रिय होने से हलकी बारिश की संभावना बन सकती है।

ग्वालियर-चंबल में ज्यादा असर- नवंबर के दूसरे पखवाड़े से ग्वालियर-चंबल संभाग में सीधी उत्तरी हवाएं चलने के कारण तापमान में तेज गिरावट देखने को मिलेगी।

वन विहार में डॉक्टरों की निगरानी में तेंदुआ

भोपाल में 30 फीट गहरे कुएं में गिरा था; इधर, ईको लॉजिकल पार्क में फूटप्रिंट मिले

भोपाल (नप्र)। भोपाल से 20 किमी दूर सागोनी जोरा गांव में 30 फीट गहरे कुएं में गिरा तेंदुआ वन विहार नेशनल पार्क के डॉक्टरों की निगरानी में है। लगातार कई घंटे पानी में होने से तेंदुए को निमोनिया, हाइपोथर्मिया जैसी बीमारियां होने की आशंका थी। डिप्टी डायरेक्टर रूही हक ने बताया, तेंदुए का रूटिन हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। जिसमें वह स्वस्थ्य पाया गया है। वन विहार के बाड़े में बंद तेंदुए का शुक्रवार सुबह भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डिप्टी डायरेक्टर हक के मुताबिक, तेंदुए की कुछ दिन और निगरानी की जाएगी। क्वारेंटाइन खत्म होने के बाद उसे जंगल में छोड़ने पर वरिष्ठ निर्णय लेंगे।



शिकार का पीछा करते हुए गिरा था- बता दें कि 2 दिन पहले बैरसिया रोड के सागोनी जोरा गांव में तेंदुआ कुएं में दिखा था। वन विहार और वन विभाग के अफसरों की टीम ने घंटों रेस्क्यू करने के बाद तेंदुए को बाहर निकाला था। इससे पहले कुएं का पानी खाली किया गया था।

मुस्लिमों के विरोध के बीच करीना कपूर के समर्थन में उतरा हिंदू संगठन

पेंडेंट विवाद में कहा- उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं

भोपाल(नप्र)। बॉलीवुड अभिनेत्री और सैफ अली खान की पत्नी करीना कपूर ने दिवाली के दिन भोपाल की बेगम का पेंडेंट पहना था। इसे लेकर विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस के मुस्लिम नेता ने करीना कपूर को इसे लेकर नोटिस भेजा था। साथ ही पेंडेंट वाली तस्वीर को सोशल मीडिया से डिलीट करने की मांग की थी। अब हिंदू संगठन के लोग करीना कपूर के समर्थन में उतर आए हैं।

उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं- कांग्रेस नेता ने उस पेंडेंट वाली तस्वीर को लेकर माफी की मांग की थी। अब भोपाल हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने पेंडेंट विवाद के बीच करीना कपूर का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है और पेंडेंट पहनना स्वाभाविक है, क्योंकि यह गले में पहनने के लिए है।

पवित्र स्थल पर पहना पेंडेंट- उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच उनके साथ खड़े हैं। चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि करीना कपूर ने पेंडेंट गले में और हृदय



के पास पहना है। जब कोई भी व्यक्ति कमर के ऊपर के भाग में कुछ पहनता है, तो वह शरीर के लिए पवित्र माना जाता है। पेंडेंट को जब हृदय के पास पहनते हैं, तो पूरे दिन आपके आस-पास सकारात्मकता बनी रहती है और अगर उसमें आयतें भी लिखी हैं, तो मुझे नहीं लगता है कि उन्होंने इसे अपवित्र स्थल पर पहना होगा।

पेंडेंट गले में पहनने के लिए बना- हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पेंडेंट गले में पहनने के लिए बना है, न कि कहीं सजाने के लिए। हो सकता है कि शादी से पहले करीना ने अपने पति सैफ अली खान से कहा होगा कि शादी के बाद हम दोनों अपने-अपने धर्म को मानेंगे। इसी के साथ ही, वह भोपाल रियासत की बहू भी हैं, तो स्वाभाविक है कि पुरखों से चली आ रही चीज को वे पहनेंगी और इसे पहनने के लिए उन्हें दीपावली का अवसर सही लगा होगा, तो मुझे नहीं लगता है कि उन्होंने कुछ गलत किया है।